हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 15 जून 2026

11 विश्व रक्तदाता दिवस पर भट्टू में उमड़ा जनसैलाब

12 सेहत सुधारने वाले पार्क खुद बीमार, हर तरफ गंदगी की भरमार

खबर संक्षेप

टोहाना में आज होगी योगा-मैराथन

टोहाना। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसको लेकर सोमवार, 15 जून को टोहाना में योगा-मैराथन का आयोजन किया जाएगा। यह मैराथन प्रातः 6 से बजे अम्बेडकर चौक से आरंभ होकर रतिया रोड पर स्थित चार-साहिबजादे द्वार तक स्वास्थ्य और जागरूकता का संदेश लेकर आगे बढ़ेगी। योगा-मैराथन आयोजन को लेकर आयुष विभाग डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान मिली है, जिससे भारत की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा और अधिक सुदृढ़ हुई है।

नशामुक्ति अभियान के तहत हुई नुक्कड़ सभा

फतेहाबाद। जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्ति अभियान के तहत एसआई सुंदर के नेतृत्व में गांव मीराना में एक विशेष नुक्कड़ सभा और परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। अभियान के तहत 12 उपचाराधीन मरीजों को आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक दवाएं बांटी गई। नागरिक अस्पताल फतेहाबाद व रतिया सीएचसी में दाखिल मरीजों की विशेष काउंसलिंग कर उन्हें इलाज पूरा करने का हौसला दिया

हेरोइन तस्करी में मुख्य सप्लायर दबोचा

फतेहाबाद। थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने 34.09 ग्राम हेरोइन तस्करी मामले की कड़ियों को जोड़ते हुए मुख्य सप्लायर विपिन कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से नशा बेचकर कमाई गई 3 हजार रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की है।

अनाज मंडी में हुए हमले का मुख्य आरोपी काबू

फतेहाबाद। अनाज मंडी रतिया में सरेआम बर्फ तोडऩे वाले सूए से जानलेवा हमला करने की सनसनीखेज वारदात के मुख्य आरोपी पवन कुमार उर्फ वालकिया को रतिया पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। एएसपी दिव्यांशी सिंगला के सख्त निर्देश पर काम कर रही पुलिस टीम ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया खतरनाक सूआ भी बरामद कर लिया है।

गेहूं चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। गांव जमालपुर शेखां में हुई गेहूं चोरी की वारदात को सुलझाकर थाना सदर टोहाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का गेहूं बेचने के बाद मिली 5 हजार रुपये की नकदी बरामद कर ली है। थाना प्रभारी निरीक्षक बीर सिंह ने बताया कि गांव निवासी शुभम सैनी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 8 जून की रात को उनके घर के पीछे से 5 क्विंटल गेहूं और एक फराटा पंखा चोरी हो गया था।

अपहरण व दुष्कर्म के मामले में आरोपी दबोचा

डबवाली। पुलिस ने नागालिग युवती का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। डबवाली की पुलिस अधीक्षक जसलीन कौर ने रविवार को बताया कि पीड़िता के पिता ने डबवाली पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करवाई कि आरोपी उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान अपहृत युवती को बरामद कर आरोपी काकू सिंह को जिले क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है।

लेसन प्लान, टीचिंग मटेरियल और मूल्यांकन कार्य होंगे आसान

एआई बनेगा शिक्षकों का साथीः सरकारी स्कूलों में अनिवार्य हुआ 'गुरु मित्र' एप

सुरेन्द्र असीजा ⏭ फतेहाबाद

सरकारी स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था को आधुनिक और डिजिटल बनाने की दिशा में शिक्षा विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी आदेशों के तहत प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को गुरु मित्र एप डाउनलोड कर उसका नियमित उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

तकनीक आधारित शिक्षण से विद्यार्थियों को मिलेगा सीधा लाभ

विभाग का मानना है कि इस पहल से शिक्षण कार्य अधिक प्रभावी, व्यवस्थित और तकनीक आधारित बन सकेंगे, जिसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। शिक्षा विभाग के अनुसार गुरु मित्र एप एक एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित शैक्षणिक सहायता प्लेटफॉर्म है, जिसे शिक्षकों की रोजमर्रा की अकादमिक और पेशेवर गतिविधियों को आसान बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इस एप के जरिए शिक्षक लेसन प्लान तैयार करना, टीचिंग-लर्निंग मटेरियल बनाना, मूल्यांकन, कंटेंट क्रिएशन और क्लासरूम मैनेजमेंट जैसे काम चुटकियों में कर सकेंगे यानि एआई तकनीक से लैस प्लेटफॉर्म पर लेसन प्लान, टीचिंग मटेरियल और असेसमेंट तैयार होंगे और स्कूल हेड स्वयं इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। विभाग का मानना है कि इससे शिक्षकों का समय बचेगा और वे विद्यार्थियों पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

डिजीटल प्रणाली को करें मजबूत

शिक्षा विभाग ने गुरू मित्र एप डाउनलोड करने के आदेश दिए हैं। हालांकि यह अच्छी बात है कि टीचर छात्रों को आधुनिक तकनीक या एआई से पढ़ाई करवा सकेंगे लेकिन फिलहाल यह ऐप प्ले स्टोर से डाउनलोड नहीं हो रहा। विभाग को चाहिए कि वह डिजीटल प्रणाली मजबूत करें। टीचरों को भी पहले इसकी ट्रेनिंग देनी चाहिए।
-**देवेन्द्र दहिया**, चेयरमैन राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ

अलग खबर

जिला अधिकारियों व स्कूल प्रमुखों को दिए निर्देश

विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों और सरकारी स्कूलों के प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में कार्यरत सभी शिक्षकों से गुरु मित्र एप डाउनलोड करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही शिक्षकों को अकादमिक और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए नियमित रूप से इस प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए। आदेशों के अनुसार स्कूल प्रमुखों की जिम्मेदारी होगी कि वे यह सुनिश्चित करें कि स्कूल का पूरा शिक्षकीय स्टाफ एप को इंस्टॉल कर सक्रिय रूप से उसका इस्तेमाल करे। जरूरत पडऩे पर शिक्षकों को एप के उपयोग संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गुरु मित्र एप के डाउनलोड और उपयोग से संबंधित अनुपालन रिपोर्ट जल्द से जल्द भेजी जाए। इसके अलावा आदेशों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नियमित मॉनिटरिंग भी की जाएगी। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग से पढ़ाई को अधिक रोचक, व्यवस्थित और परिणामोन्मुख बनाया जा सकेगा। एआई का लाभ मिलेगा।

शिक्षकों की कार्यक्षमता बढ़ाने पर जोरः विभाग का उद्देश्य शिक्षकों की कार्यक्षमता और उत्पादकता में वृद्धि करना है, ताकि तकनीक की मदद से पढ़ाई की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जा सके। गुरु मित्र एप के जरिए शिक्षकों को कई कार्यों में समय की बचत होगी और वे विद्यार्थियों की जरूरतों के अनुसार अधिक प्रभावी तरीके से शिक्षण कर सकेंगे।

ये है जिले के स्कूलों की स्थिति

प्राइमरी स्कूल	384
हाई स्कूल	36
मिडल स्कूल	77
सीनियर सैकेंडरी	90

रतिया। भाखड़ा ब्रांच नहर में सर्च अभियान चलाते एनडीआरएफ टीम सदस्य।

भाखड़ा नहर में डूबे पंजाब के हेल्थ सुपरवाइजर का शव मिला

- बठिंडा से आई 32 सदस्यीय एनडीआरएफ टीम उतरीं थी तलाश में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

फतेहाबाद जिले के रतिया क्षेत्र में भाखड़ा ब्रांच नहर में गिरे पंजाब स्वास्थ्य विभाग के हेल्थ सुपरवाइजर का तीसरे दिन रविवार को पंजाब के ही गांव माखीवाला से बरामद कर लिया गया है। उनकी डेडबॉडी को ढूंढने के लिए रविवार को ही बठिंडा से 32 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम बुलाई गई थी। बता दें कि, हेल्थ सुपरवाइजर की बाइक और चप्पल भाखड़ा ब्रांच नहर के किनारे मिली थीं। आशंका जताई जा रही थी कि सुपरवाइजर ने नहर में छलांग लगा दी। दो दिन से पुलिस व परिजन हेल्थ सुपरवाइजर की तलाश कर रहे थे। बता दें कि पंजाब के मानसा जिले के बोहा क्षेत्र निवासी भूपेंद्र सिंह शुक्रवार शाम से लापता था। शनिवार को उसकी मोटरसाइकिल और चप्पल गांव ब्राह्मणवाला के पास भाखड़ा ब्रांच नहर के किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ी मिलीं। इसके बाद परिजनों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद नहर और आसपास के क्षेत्र में बड़ा सर्च अभियान चलाया गया। मौके पर मौजूद भूपेंद्र के पिता तरसेम सिंह और बेटे कपिल ने बताया कि भूपेंद्र स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं और अपनी ड्यूटी के प्रति सदा गंभीर व ईमानदार रहते हैं।

हेल्थ सुपरवाइजर भूपेन्द्र सिंह।

जांच की मांग

परिजनों का कहना है कि इसी मानसिक दबाव के चलते आशंका है कि भूपेंद्र ने नहर में छलांग लगाने जैसा आत्मघाती कदम उठाया हो सकता है। भूपेंद्र के पुत्र कपिल ने प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों के आरोपों को ध्यान में रखते हुए मामले की गहनता से जांच की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हरियाणा एग्री डिस्कॉम बनाने और स्मार्ट मीटर लगाने का किया विरोध

- हरियाणा एग्री डिस्कॉम बनाने, स्मार्ट मीटर लगाने का किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन ने बिजली मंत्री अनिल विज को पत्र भेजकर बिजली निगम में नई कंपनी हरियाणा एग्री डिस्कोम बनाने व स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में एक पत्र भेजा है। यूनियन के प्रेस सचिव सुखदेव सिंह ने बताया कि बिजली का निगम एक जन- सेवा का विभाग है। पहले जब हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड को तोड़ा गया था तो यह कहा गया था कि निगम बनने से बिजली की व्यवस्थाओं में ज्यादा सुधार होगा और विभाग को राजस्व का लाभ व कर्मचारियों और उपभोक्ताओं भी फायदा होगा, लेकिन इस के उल्ट सुधार होने की बजाय विभागीय घाटा बढ़ता जा रहा है।

करोड़ों रुपये के घोटाले की ओर धकेला जा रहा

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही बिजली निगमों में पहले से लगे अच्छी क्वालिटी के मीटरों को उतार कर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। जिसके कारण पहले से ही घाटे में चल रहे निगमों को और कई करोड़ों रुपए के घाटे की तरफ धकेला जा रहा है। गुडग़ांव तथा नूंह जिले में इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को डीएचबीवीएन के समांतर बिजली वितरण का लाइसेंस देने की प्रक्रिया विभाग द्वारा शुरू की हुई है।

पांच नशा तस्कर गिरफ्तार, हेरोइन व चूरापोस्त बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

पुलिस ने जिले क्षेत्र से पांच नशा तस्करों को गिरफ्तार उनके कब्जे से हेरोइन व चूरापोस्त बरामद किया है। गिरफ्तार तस्करों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि आरोपियों की पहचान सिरसा निवासी चंद्रभान, गुरबचन सिंह, विजय, रविंदर व निर्मला के रूप में हुई है। प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम गश्त एवं अपराध रोकथाम गतिविधियों के तहत शहर के पटेल चौक से होते हुए रानियां चुंगी की तरफ जा रही थी। इस दौरान पुलिस टीम जब रानियां चुंगी सिरसा के नजदीक पहुंची तो सामने से एक महिला अपने हाथ में काले रंग की पॉलीथिन लिए हुए पैदल आती दिखाई दी, जो कि पुलिस को देखकर अचानक वापस मुड़कर वहां से खिसकने का प्रयास करने लगी। महिला की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से आठ ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

सिरसा। हेरोइन के साथ पकड़ी गई आरोपी महिला।

पुलिस ने जांच की शुरू

इसके अलावा सीआईए सिरसा पुलिस ने गांव भावदीन क्षेत्र से चंद्रभान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दस ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर लिया तलाशी लेने पर उसके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने गांव अमृतसर कलां क्षेत्र से एक व्यक्ति को डेढ़ किलोग्राम चूरापोस्त सहित काबू किया है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी ने बताया कि आरोपी की पहचान गुरबचन सिंह के रुप में हुई है। सीआईए सिरसा पुलिस ने गांव करीवाला क्षेत्र से स्कूटी सवार दो युवकों को 820 ग्राम चूरापोस्त सहित काबू किया है । आरोपियों की पहचान विजय व रविंदर के रुप में हुई है। आरोपियों के खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

किसानों की मांगों को लेकर धरना आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ ओढां

गांव रोहिड़ावाली में किसानों मजदूरों की बैठक हुई, जिसमें 15 जून को सिरसा के कृषि विभाग कार्यालय में धरना-प्रदर्शन में भाग लेने का आह्वान किया गया। बैठक में हरदेव पूनिया ने कहा कि इस क्षेत्र की सिंचाई के लिए घग्घर नदी से रंगोई निकाली जाए ताकि किसानों को पानी की समस्या से राहत मिल सके। किसानों को निम्न क्वालिटी के तथा भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित सीड्स, पेस्टिसाइड्स, फर्टिलाइजर्स तथा बायोफर्टिलाइजर बेचने वाली कंपनियों, दुकानदारों तथा आनलाइन ऐप्स, व्हाट्सएप के माध्यम से बेचने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त करवाई की जाए। किसानों को धोखा देने वालों को जेलों में डाला जाए तथा किसानों के नुकसान की भरपाई करवाई जाए। इन सभी मुद्दों सहित किसानों मजदूरों की अन्य मांगों को लेकर विचार चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि जाट धर्मशाला मीटिंग के बाद किसान मार्च करते हुए उप कृषि निदेशक कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे। इस मौके पर जसपाल सिंह भंगू, मनजीत सिंह, काशी राम, मक्खन सिंह, भगत सिंह आदि मौजूद रहे।

कृषि विभाग कार्यालय में किया जाएगा प्रदर्शन

दिनदहाड़े घर का ताला तोड़कर चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

- 25 हजार नकद व सोने-चांदी के जेवरात चोरी

शहर के वार्ड नंबर-6 में दिनदहाड़े चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए नकदी और सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। वारदात उस समय हुई, जब घर के मालिक अपनी पत्नी के साथ सिरसा जिले में रिश्तेदारी में आयोजित रस्म पगड़ी कार्यक्रम में शामिल होने गए हुए थे। दोपहर बाद परिवार के घर लौटने पर चोरी की घटना का खुलासा हुआ। सूचना मिलने पर डायल-112 और भूना थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू की। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नंबर-6 निवासी मिंद्र सिंह ने बताया कि वह खेतीबाड़ी का कार्य करते हैं। वह अपनी पत्नी के साथ सिरसा जिले के गांव ढाणी लिंबा में एक रिश्तेदार की रस्म पगड़ी में शामिल होने गए थे। उनकी बड़ी बेटी ममता हिसार में रहकर सरकारी नौकरी की तैयारी कर रही है, जबकि बेटा विक्रम 12वीं के बाद हिसार में कोचिंग ले रहा है। छोटी बेटी चंचल भूना कॉलेज में बीए की परीक्षा देकर सबसे पहले घर पहुंची। चंचल ने देखा कि घर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ है और दरवाजा खुला पड़ा है। परिवार के सदस्य जब घर पहुंचे तो कमरों में सामान बिखरा हुआ था और अलमारी के ताले भी टूटे हुए थे।

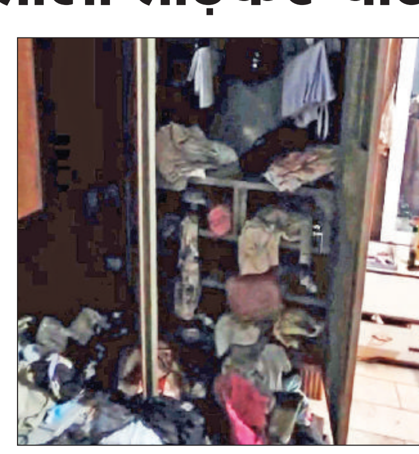

भूना। घर में चोरों द्वारा तोड़ी हुई अलमारी।

नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए 25 जून तक करें आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ ओढां

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय ओढा में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 11वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विद्यालय में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में रिक्तियों को मेरिट के आधार पर भरा जाएगा। इसके लिए इच्छुक विद्यार्थियों से ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से आवेदन पत्र मांगे गए हैं। प्राचार्य ललित कालड़ा ने बताया कि वे विद्यार्थी आवेदन करने के पात्र होंगे जिन्होंने सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं सीबीएसई अथवा राज्य बोर्ड से उत्तीर्ण की हो। वहीं, सीबीएसई बोर्ड से पास विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के लिए कम से कम 60 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। इच्छुक विद्यार्थी आवेदन पत्र वेबसाइट डाउनलोड कर सकते हैं। भरे हुए आवेदन पत्र विद्यालय की ईमेल आईडी पर भेजे जा सकते हैं। इसके अलावा विद्यार्थी सोमवार से शनिवार सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक विद्यालय कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से भी आवेदन जमा करवा सकते हैं। आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि 25 जून है। सभी अभ्यर्थियों की मेरिट सूची तैयार की जाएगी तथा विद्यालय में उपलब्ध रिक्त सीटों के अनुसार विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए बुलाया जाएगा।

शहर में 20 करोड़ से ज्यादा प्रॉपर्टी टैक्स बकाया, 500 से ज्यादा लोगों को भेजे नोटिस

भूना में प्रॉपर्टी टैक्स पर 30 जून तक ब्याज माफी

नगरपालिका बोली- आखिरी मौका, इसके बाद होगी सख्त कार्रवाई

- निर्धारित समय के बाद प्रॉपर्टी सील की जाएगी

दलबीर सिंह ⏭ भूना

नगर पालिका भूना ने प्रॉपर्टी टैक्स बकायादारों को बड़ी राहत दी है। 30 जून तक टैक्स जमा करने पर 100% ब्याज माफी की योजना चल रही है। नगरपालिका सचिव दीपक कुमार ने कहा कि यह आखिरी मौका है। इसके बाद बकायादारों की प्रॉपर्टी सील की जाएगी और कानूनी कार्रवाई भी होगी। शहर में प्रॉपर्टी टैक्स का बकाया 20 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। नगर पालिका ने 500 से ज्यादा लोगों को बकाया जमा करने के नोटिस भेजे हैं। इनमें से करीब 110 प्रॉपर्टी आईडी धारकों को डिफॉल्टर घोषित करने का नोटिस दिया जा चुका है। नगरपालिका के मुताबिक 30 जून के बाद इनकी प्रॉपर्टी सील करने

योजना का लाभ उठाएं

नगरपालिका सचिव दीपक कुमार ने लोगों से अपील की है कि 30 जून से पहले बकाया टैक्स जमा कर 100% ब्याज माफी का फायदा उठाएं। उन्होंने कहा कि समय निकलने के बाद न तो ब्याज माफ होगा और न ही रियायत मिलेगी। सीधे प्रॉपर्टी सील और वसूली की कार्रवाई की जाएगी। नगरपालिका ने इसके लिए विशेष काउंटर भी शुरू किए हैं ताकि लोग आसानी से टैक्स जमा कर सकें। ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। अधिकारियों का कहना है कि टैक्स से मिलने वाली राशि से शहर के विकास कार्य करवाए जाएंगे।

हॉस्पिटल से लेकर पेट्रोल पंप तक निशाने पर

डिफॉल्टर की सूची में सिर्फ आम लोग ही नहीं हैं। कुछ प्राइवेट हॉस्पिटल, स्कूल, शोरूम और पेट्रोल पंप भी शामिल हैं। नगरपालिका ने स्पष्ट किया है कि बड़े बकायादारों पर पहले कार्रवाई होगी। नाम सार्वजनिक करने की तैयारी भी चल रही है।

सरकारी विभाग भी पीछे नहीं

हैरानी की बात यह है कि प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने में सरकारी कार्यालय भी फिसड्डी साबित हो रहे हैं। लोक निर्माण विभाग यानी पीडब्ल्यूडी, उप तहसील, बस स्टैंड, मार्केट कमेटी और पब्लिक हेल्थ विभाग के कार्यालयों पर 1 से 2 करोड़ रुपये तक का टैक्स बकाया है। नगरपालिका ने सभी विभागों को पत्र लिखकर जल्द भुगतान करने को कहा है।

1246 प्रॉपर्टी, फिर भी सुस्ती

भूना नगर पालिका क्षेत्र में कुल 1246 प्रॉपर्टी आईडी रजिस्टर्ड हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोग टैक्स जमा करने में देरी कर रहे हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि 1 अप्रैल 2025 से अब तक लोगों ने 8 लाख रुपये से अधिक का टैक्स जमा करवा दिया है।

कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे
जीना है तो पत्थर की तरह जियो,
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।
- हरिवंश राय बच्चन

कहानी

डॉ. मधुकांत

पेपर आउट है

खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था।

मेधावी और अनुशासित छात्र सजल जब गांव के सीधे-सादे परिवेश से निकलकर शहर में कोचिंग करने आया, तो उसके माता-पिता ने अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक पैसा जोड़कर उसे इस उम्मीद से भेजा था कि वह डॉक्टर बनकर लौटेगा। शुरुआत में सजल हॉस्टल के कड़े अनुशासन में रहा। वह रोज घंटों किताबों में खोया रहता। यह परिश्रम कुछ ही महीनों का मेहमान साबित हुआ। उसी शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान में सजल की मुलाकात अपने ही जिले की अंकिता से हुई, जिसे वह पहले से जानता था।

दोनों ने ही दसवीं की बोर्ड परीक्षा में टॉप टेन में स्थान पाकर जिलाधिकारी से सम्मान प्राप्त किया था। रोज की मुलाकातें, एक ही बेंच पर बैठना और परीक्षा के तनाव को बांटना, धीरे-धीरे गहरे आकर्षण में बदल गया। हॉस्टल की दीवारें अब सजल को जेल जैसी लगने लगीं। अंकिता से बेरोकटोक मिलने के लिए उसने हॉस्टल छोड़ दिया और बाहर एक प्राइवेट कमरा ले लिया। अंकिता का भी वहां आना-जाना आम हो गया। जिस उम्र में करियर की मजबूत नींव रखी जानी चाहिए थी, उसमें दोनों पिकनिक मनाने, सिनेमाघरों और महंगे रेस्टोरेंटों में समय बिताने लगे। किताबें मेज पर धूल फांकती रहीं। उन्हें भ्रम था कि वे बुद्धिमान हैं और अंत में कुछ दिन पढ़कर परीक्षा निकाल लेंगे, पर प्रतियोगी परीक्षाओं की दुनिया एक दिन की लापरवाही भी बर्दाश्त नहीं करती। दो वर्ष का समय पानी की तरह बह गया। जब नीट का परिणाम आया, तो दोनों बुरी तरह असफल रहे। इसी बीच अंकिता के परिजनों को उनके प्रेम-संबंधों का पता चल गया। लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए।

अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया, लेकिन उसका अहंकार मरा नहीं था। वह पराजित होकर गांव नहीं लौटना चाहता था, जहां उसे पिता की मिठाई की दुकान संभालनी पड़ती या किसी स्कूल में मामूली वेतन पर पढ़ाना पड़ता। वह शहर की सुख-सुविधाओं का आदी हो चुका था और रातोंरात अमीर बनना चाहता था। उसने एक तिकड़मी साथी के साथ मिलकर शहर के मुख्य इलाके में एक पूरी बिल्डिंग किराए पर ली और 'अंकिता कोचिंग सेंटर' की शुरुआत की। इस कोचिंग का मुख्य आकर्षण पढ़ाई नहीं, बल्कि छात्रों को किसी भी कीमत पर पास कराने की सौ प्रतिशत गारंटी थी। यह आधुनिक शिक्षा की विडंबना थी कि जो सजल खुद नीट पास नहीं कर पाया था, उसने दो साल की नाकामी में परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों और अनैतिक हथकंडों को बारीकी से सीख लिया था। उसे पता था कि कौन सा अधिकारी कहां बिकता है और परीक्षा केंद्रों पर सेटिंग कैसे होती है। जल्द ही उसका यह धंधा चल निकला।

लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए। अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया।

लेकिन पाप का घड़ा ज्यादा दिन नहीं टिकता। एक बड़ी राष्ट्रीय परीक्षा का पेपर आउट कराने के चक्कर में सजल और उसका पार्टनर रंगे हाथों पुलिस द्वारा पकड़ लिए गए। संस्थान पर ताला लग गया और दोनों जेल पहुंच गए। जेल जाने के बाद असली सामाजिक ढांचा सामने आया। सजल के रसूखदार पार्टनर के घरवाले तुरंत पैसा और वकील लेकर आए और अपने बेटे को छुड़ा ले गए। परंतु सजल के गरीब माता-पिता गांव में लोक-लाज के मारे मुंह छिपाए बैठे थे। ऐसे में सजल की जमानत उस बड़े सिंडिकेट ने करवाई जो पूरे देश में पेपर लीक करने का काला साम्राज्य चलाता था। गैंग के सरगना ने सजल की चालाकी और शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को समझने की उसकी प्रतिभा को भांपकर उसे अपने गैंग का मुख्य मोहरा बना लिया। यह कोई छोटा गिरोह नहीं था, बल्कि पेपर आउट करके लाखों छात्रों के भविष्य को चंद रुपयों में बेचने वाला एक अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट था, जिसे देश के बड़े पूंजीपतियों, भ्रष्ट अधिकारियों और रसूखदार सफेदपोश नेताओं का संरक्षण प्राप्त था। हमारे विशाल देश में साल के बारह महीने कोई न कोई परीक्षा चलती ही रहती है। इन गोपनीय प्रश्नपत्रों को परीक्षा से चंद घंटे पहले आउट करना और अकूत अवैध धन कमाना इस सिंडिकेट का व्यवसाय बन चुका था।

इस सामूहिक खुशी के पीछे देश की शिक्षा व्यवस्था को लगा गहरा ग्रहण छिपा था। योग्य और प्रतिभावान गरीब छात्र इस व्यवस्था की चक्की में पिस रहे थे। सरकारें भी इस संकट से मुंह मोड़े बैठी थीं। इस फर्जीवाड़े से डिग्रियां पाकर युवा जुगाड़ में लग जाते थे, जिससे वे सड़कों पर उतरकर बेरोजगारी का वास्तविक आंकड़ा नहीं बढ़ाते थे और न ही नई नौकरियों की मांग करते थे। कागजों पर सब ठीक देखकर सरकार भी खुश रहती थी। जब कभी पेपर आउट होने की खबर मीडिया में आती, तो कुछ दिनों के लिए हंगामा मचता। विपक्षी दल सड़कें जाम करते, संसद में नारेबाजी होती और टीवी पर बहसें होतीं। जनआक्रोश शांत करने के लिए सरकार एक दिखावटी जांच कमेटी बना देती। पीड़ित छात्र और लाचार अभिभावक कुछ दिनों तक न्याय की उम्मीद में लाठियां खाते और अंत में अपनी किस्मत को कोसते हुए चुप होकर घर बैठ जाते। समय बीतने के साथ सब भुला दिया जाता और अगले साल फिर यही कहानी दोहराई जाती। सजल इस काले धंधे का मुख्य संचालक बनकर ऐश की जिंदगी जी रहा था, पर उसका इंसान पूरी तरह मरा नहीं था। इसी बीच उसे गांव से खबर मिली कि अंकिता ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी। उसने किसी कोचिंग के बिना, घर के एक छोटे से कमरे में खुद को बंद कर दिन-रात स्वाध्याय किया और इस सत्र की नीट परीक्षा शानदार अंकों के साथ पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में अपनी सीट पक्की कर ली।

सजल के लिए यह खबर एक करारे तमाचे जैसी थी। जिसके साथ उसने समय बर्बाद किया था, वह अपनी मेहनत से डॉक्टर बनने जा रही थी और वह खुद एक अपराधी बनकर छिपा फिर रहा था। इसके तुरंत बाद उसे एक और भयानक समाचार मिला। पिछली जिस परीक्षा का पेपर सजल के सिंडिकेट ने आउट किया था, उसकी तैयारी सजल का एक बेहद घनिष्ठ, गरीब मित्र सालों से कर रहा था। पेपर लीक होने के कारण जब परीक्षा रद्द हो गई, तो वह योग्य मित्र इस गहरे सदमे और गरीबी से हारकर फांसी पर झूल गया। मित्र की खुदकुशी की खबर से सजल हिल गया। वह छिपते-छिपाते मित्र के गांव पहुंचा। श्मशान घाट पर जलती चिता और बूढ़े माता-पिता का क्रंदन देखकर दूर खड़े सजल का कलेजा फट गया, क्योंकि इस मौत के पीछे कहीं न कहीं उसका ही सिंडिकेट था। जलती चिता के सामने सजल ने एक कठोर संकल्प लिया। उसने पाप की कमाई पर थूका और सिंडिकेट को हमेशा के लिए छोड़ दिया। उसने तय किया कि वह फिर से वही मेधावी सजल बनेगा और खुद अपनी मेहनत से नीट पास करेगा। उसने निश्चय किया कि जब तक वह योग्य डॉक्टर नहीं बन जाता, तब तक न अंकिता से मिलेगा और न माता-पिता को अपना कलंकित चेहरा दिखाएगा। सजल शहर के एक सुदूर कोने में छोटा सा कमरा लेकर रहने लगा। पूरे एक वर्ष तक उसने दिन-रात एक कर दिया। अंकिता की सफलता और मित्र की चिता को याद कर वह हर रोज अठारह-अठारह घंटे पढ़ाई करने लगा। हालांकि, व्यवस्था के दंश से डरा उसका मन आशंकित था, इसलिए उसने प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर हर सुरक्षा पक्की कर ली ताकि परीक्षा में कोई विघ्न न आए। उसे पूरा विश्वास था कि अब उसकी तपस्या को सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। परीक्षा शुरू हुई। तीन दिन तक पेपर बहुत शानदार गए। सजल के चेहरे पर एक साल की कड़ी मेहनत के बाद पहली बार एक पवित्र मुस्कान आई। उसे लगा कि उसके जीवन का अंधकार छटने वाला है और वह अंकिता तथा अपने माता-पिता के काबिल बनने वाला है। लेकिन चौथे दिन सुबह जैसे ही वह परीक्षा केंद्र की ओर बढ़ा, वहां अफरा-तफरी मची थी। पुलिस की गाड़ियां थीं और छात्र सड़कों पर रो-चिल्ला रहे थे। सजल को पता चला कि प्रथम पेपर परीक्षा शुरू होने से महज आधे घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर आउट हो गया था, जिसके कारण सरकार ने पूरी परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। यह सुनते ही सजल के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया और उसके भीतर भी उसी आत्मघाती अवसाद ने जन्म ले लिया जिससे उसका मित्र गुजरा था। उसका मन हुआ कि वह भी इसी वक्त आत्महत्या कर ले। लेकिन तभी, निराशा के घने कोहरे के बीच उसके अंतर्मन से एक चीख सुनाई दी। उसे अपना अतीत याद आया, जब वह खुद इस सिंडिकेट का हिस्सा था और अपनी तिजोरियां भरने के लिए पेपर आउट करता था, तब देश के कोने-कोने में बैठे न जाने कितने होनहार युवाओं का भविष्य इसी तरह एक झटके में अंधकार में डूब जाता था। आज जब वह खुद उस दर्द से गुजरा, तो उसे अहसास हुआ कि उसने अपने हाथों से कितने मासूमों के सपनों की हत्या की थी। खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था। उसे अब समझ आ गया था कि व्यवस्था के इस कैंसर को बदले बिना कोई भी सपना कभी सुरक्षित नहीं रह सकता।

पुस्तक समीक्षा

अपने समय से संवाद का नाम है 'संजय उवाच'

समीक्षक

डॉ. लोकेन्द्र सिंह

मीडिया प्राध्यापक एवं लेखक प्रो. संजय द्विवेदी की नई पुस्तक 'संजय उवाच' उनके चुनिंदा और सारगर्भित भाषणों का उत्कृष्ट संग्रह है। अकादमिक जगत से लेकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्होंने जो व्याख्यान दिए, उनको पाठकों के लिए संपादित कर पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया है। ज्यादातर व्याख्यान मीडिया, भाषा और शिक्षा के मुद्दों पर केंद्रित हैं। इसलिए यह पुस्तक मीडिया के विद्यार्थियों एवं इस क्षेत्र में रुचि रखने वालों को अवश्य ही पढ़नी चाहिए। जिस दौर में मीडिया को लेकर अनेक प्रकार की बहस हवा में तैर रही हैं, तब उस बहस में भारतीय दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप प्रो. संजय द्विवेदी का नजर आता है। संवाद से सुंदर बनेगी दुनिया, जड़ों की ओर लौटे मीडिया और जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण- ये व्याख्यान मीडिया पर चल रही बहस को सार्थक दिशा देने का प्रयास हैं। इसके अलावा, पुस्तक में

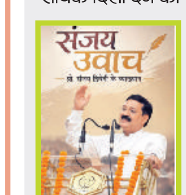

भारत के नायकों, साहित्यकारों और समसामयिक विमर्श पर भी सारगर्भित विचार पढ़े जा सकते हैं। एक पंक्ति में कहें तो, इस पुस्तक में संकलित व्याख्यान पत्रकारिता, समाज, शिक्षा, भाषा और आज के समाज के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर एक सार्थक और सकारात्मक विमर्श प्रस्तुत करते हैं। प्रो. संजय द्विवेदी ने अपने समय के साथ जो संवाद किया है, उसको संकलित और संपादित करके 'संजय उवाच' के रूप में अपने पाठकों के सामने प्रस्तुत कर दिया है। यह एक प्रकार से प्रो. द्विवेदी के बौद्धिक हस्तक्षेप का दस्तावेजीकरण है। प्रो. द्विवेदी की भाषा इतनी सहज-सरल और सरस है कि लिखा हुआ भी हमें सुनाई देता है, जो सहज ही पाठकों के अंतर्मन तक अपनी छाप छोड़ने का सामर्थ्य रखता है। लेखक की चिंता के केंद्र में निरंतर 'भारतबोध' और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण झलकता है। इसके अलावा, प्रो. द्विवेदी ने प्रिंट और डिजिटल मीडिया के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का सूक्ष्म विश्लेषण किया है। वे स्पष्ट करते हैं कि तकनीकी बदलावों या सोशल मीडिया के आने मात्र से प्रिंट मीडिया का भविष्य खतरे में नहीं है। प्रो. द्विवेदी 'फेक न्यूज' और 'इन्फोडेमिक' (सूचनाओं के महाविस्फोट) के इस दौर में 'मीडिया साक्षरता' को न केवल छात्रों के लिए, बल्कि संपूर्ण समाज और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी अत्यंत अनिवार्य मानते हैं ताकि समाज में फैल रहे दुष्प्रभावों को रोका जा सके। उनका मानना है कि मीडिया का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि पाठकों को बौद्धिक रूप से उन्नत करना भी है। पुस्तक के प्रकाशन की गुणवत्ता बेहतरीन है। नई दिल्ली के शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स ने इसे प्रकाशित किया है। यह पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

कवि कॉर्नर

कविता | कमला राठी

मेरे प्रभु

बहुत गयी थोड़ी रही
बाकी भी चुक जाए
समय-समय का फेर है
कोई आए कोई जाए

मैं जिनको अपना कहूँ
वो सब तेरी देन
थकत नहीं जिह्वा मेरी
अपना-अपना कहन

सुख में साथ अनेक हैं
दुःख में लें मुख मोड़
सब की आशा छोड़ कर
बस एकहु से मन जोड़

सुख-दुःख तो दिन रैन हैं
एक आवै एक जाय
सुख के पीछे क्यूं पड़ें
जब दुःख में राम सहाय

कविता | प्रो. ज्योति राज

ग़रीबी

अनचुपड़ी रोटी सी
पैबंद लगी धोती सी
दरारें भरी सोटी सी
उलझी हुई चोटी सी
सताती है ग़रीबी

धुँधलाए चश्मे सी
घिसी चप्पल सी
अधछूटी तुरपाई सी
उधड़ी सीवन सी
लजाती है ग़रीबी

कुम्हलाए गात सी
थकी औरत जात सी
रूखे चावल भात सी
दर्द में डूबी रात सी
थकाती है ग़रीबी

बिगड़ी हुई बात सी
स्याही जमी दवात सी
पस्त पड़े परवाज़ सी
थेगलियों के टाट सी
चिढ़ाती है ग़रीबी

साहित्य एक किस्म का यज्ञ : डॉ. लांगायन

व्यक्तित्व | डॉ. ओमप्रकाश कादयान

डॉ. रामभक्त लांगायन

आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई। साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक इनकी लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

डॉ. रामभक्त लांगायन एक ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने साहित्यकार, समाजसेवक तथा एक ईमानदार उच्च अधिकारी के रूप में एक साथ नाम कमाया है। ये जहां कर्मठ, ईमानदार, मेहनती व सुलझे हुए आई.ए.एस. अधिकारी रहे, वहीं अनुभवी, ऊर्जावान, साहित्यकार तथा समर्पित समाज सेवी हैं। आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। विभिन्न पदों पर रहते हुए, अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई।

साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक डॉ. रामभक्त लांगायन द्वारा लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। नारी उत्थान के लिए, बेटियों के सम्मान के लिए, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए, हरियाणवी संस्कृति के प्रचार-प्रसार, संत-महात्माओं के विचार आम आदमी तक पहुंचाने के लिए, धर्म को जानने व शहीदों के गुणगान के लिए डॉ. रामभक्त लांगायन ने अनेक पुस्तकें लिखी हैं। इनका मानना है कि आज मशीनरी के युग में बहुत जरूरी हो गया है कि हम देश के युवाओं व विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व प्रकृति से प्रेम करना सिखाएं, वो अपने देश व समाज के उत्थान की सोचें। वो केवल अपने लिए न जीकर दूसरों का भी सम्मान करें। वो अपने देश को, समाज को, प्रकृति को, अपनी संस्कृति को जानें। इन सबके लिए पुस्तकें सबसे अच्छा माध्यम हैं। इसलिए मैं प्रयास करता हूं कि मैं बच्चों को, युवाओं को प्रेरणा देने वाली पुस्तकें दे सकूं। लेखक का मानना है कि साहित्य एक किस्म का यज्ञ है। अच्छा साहित्य अच्छे समाज का निर्माण करता है। समाज में जब भी कोई बड़ा परिवर्तन हुआ है उसके पीछे साहित्य की शक्ति छुपी होती है। कई बार सारगर्भित कुछ पंक्तियां ही लोगों का विचार व भावना बदल देती हैं। इसलिए साहित्य का अध्ययन हम सबको करना चाहिए। बच्चों व युवाओं के मन पर तो श्रेष्ठ साहित्य गहरा असर डालता है। अगर हम विद्यार्थियों या युवाओं को अच्छी-अच्छी कहानियां, कविताएं और महापुरूषों की जीवनियां पढ़ने के लिए देंगे तो वे अवश्य महापुरूषों के पदचिन्हों पर चलेंगे। डॉ. लांगायन संस्कृत व हिंदी दोनों भाषाओं में एक साथ लिख रहे हैं। इन्हें भारतीय संस्कृति से गहरा लगाव है। जीवन के उदात्त मूल्यों में इनकी गहरी आस्था है। यही कारण है कि इनका साहित्य भी इसी तरह का है। ये साहित्य के माध्यम से बच्चों में राष्ट्रभक्ति व संस्कार भरना चाहते हैं। डॉ. रामभक्त लांगायन का संपूर्ण जीवन इन्हीं आदर्श जीवन-मूल्यों पर आधारित है। इसके साथ-साथ डॉ. लांगायन दलित समाज के उत्थान का कार्य कर रहे हैं। ये निर्धन, निस्सहाय बच्चों की शिक्षा का उचित प्रबंध भी करते हैं ताकि उनका भावी जीवन श्रेष्ठ हो सके। वर्तमान में ये अम्बेडकर छात्रावास के माध्यम से उनके सामाजिक, शैक्षणिक संरक्षण व उत्कर्ष का उत्तम कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कॉलेज समय से पहले ही लिखने का शौक था। पत्र-पत्रिकाओं में लेख छपते रहते थे। धीरे-धीरे पुस्तक प्रकाशन आरंभ हुआ।

फिलहाल संत रविदास के जीवन चरित्र पर एक पुस्तक प्रकाशित हो चुकी हैं। दो पुस्तकें प्रकाशाधीन हैं। 15 अगस्त 1946 को रोहतक के सुडाना गांव में जन्मे, वैश्य कॉलेज, पंजाबी विश्वविपटियाला, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र से शिक्षा ग्रहण करने वाले साहित्यकार, डॉ. रामभक्त लांगायन आजकल कुरूक्षेत्र में रह रहे हैं।

मोटिवेशनल

अनुशासन बनाम मोटिवेशन स्थायी सफलता का सूत्र

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

1. मोटिवेशन का आकर्षण, अनुशासन की शक्ति

आज का युवा मोटिवेशनल वीडियो, रील्स और प्रेरणादायक भाषणों से भरा हुआ है। कुछ मिनटों के लिए ऊर्जा बढ़ती है, लक्ष्य स्पष्ट दिखने लगता है और हम सोचते हैं "अब सब बदल जाएगा।" कुछ ही दिनों में वही उत्साह कम हो जाता है। यही कारण है कि केवल मोटिवेशन पर निर्भर रहना स्थायी सफलता की गारंटी नहीं है।मोटिवेशन क्षणिक होता है, अनुशासन स्थायी।

2. मोटिवेशन क्यों टिकता नहीं?

मोटिवेशन भावनाओं पर आधारित होता है। जब हम किसी सफलता की कहानी सुनते हैं या किसी उपलब्धि से प्रभावित होते हैं, तो भावनात्मक रूप से प्रेरित हो जाते हैं। लेकिन भावनाएं स्थायी नहीं होतीं। भारतीय युवाओं के सामने आज प्रतियोगी परीक्षाएँ, करियर की अनिश्चितता और सोशल मीडिया का दबाव है। ऐसे में केवल प्रेरणा के भरोसे चलना मुश्किल है।

3. अनुशासनः रोज़ की छोटी जीत

अनुशासन का अर्थ है अपने लक्ष्य के अनुसार रोज़ व्यवहार करना, चाहे मन करे या न करे। रोज छोटे-छोटे नियम अपनाएं। साधारण नियम ही असाधारण परिणाम देते हैं।

4. सोशल मीडिया के दौर में आत्म-नियंत्रण

आज सबसे बड़ी चुनौती है, ध्यान भटकना। रील्स, गेम्स, लगातार नोटिफिकेशन, ये सब समय और ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर देते हैं। अनुशासन का अर्थ है अपने समय और ध्यान पर नियंत्रण। जो युवा स्वयं पर नियंत्रण रखता है, वही अपने लक्ष्य पर नियंत्रण पा सकता है।

5. सफलता का वैज्ञानिक दृष्टिकोण

सफलता अचानक नहीं आती। यह आदतों का परिणाम होती है। जब आप रोज एक ही समय पर मेहनत करते हैं, तो आपका मस्तिष्क उस रूटीन का आदी हो जाता है। धीरे-धीरे वही काम आपकी पहचान बन जाता है। अनुशासन का जितना अभ्यास करेंगे, उतना मजबूत होगा।

लघु कथा

भूल-सुधार

आशा खत्री 'लता'

कहानीकार

सब्जी काटते-काटते उसे पता ही नहीं लगा कि ऊंगली से खून बह रहा है।
पतीली के ढक्कन पर लाल-लाल बूंदें दिखी तो ध्यान गया। दर्द तो कब का हो रहा था।
परन्तु इन दर्दों की परवाह करने बैठ गयी तो ...।
देखा काफी गहरा घाव था। खून को थामने के प्रयास में पांच मिनट विलम्ब हो गया। तुरत-फुरत बिटिया का टिफिन तैयार किया। टिफिन पर शायद आटे के कुछ कण चिपक गए थे। बेटी ने एक बार टिफिन को देखा और फिर उसे घूरा।
'बेटा, ऊंगली कट गयी थी।'
उसने कुछ सहानुभूति की उम्मीद लिए बेटी की ओर देखते हुए कटी ऊंगली को दूसरे हाथ की ऊंगलियों से दबाते हुए कहा।
बेटी ने घूरते हुए उसकी ओर देखा और हाई हील की सेंडिल खट-खट करती हुए बाहर निकल गयी।
शकुन धम से कुर्सी पर गिर गयी। कितना खटती है वह दिन-रात, सब वक्त पर तैयार, सबके स्वाद का ध्यान। किसी से कुछ कहना नहीं, किसी से कुछ अपेक्षा नहीं, फिर भी दो शब्द अपनेपन के नहीं उसके लिए।
उसे लगा कहीं बेटी को जिंदगी का पाठ पढ़ाने में उसी से तो कोई गलती नहीं हो गई।
दिन भर इसी पर मंथन करते वह निष्कर्ष पर पहुंच चुकी थी।
अगले दिन- 'उठो तनु आज खाना खुद बना कर ले जाना है।'
मैं कैंटीन से कुछ ले लूंगी
'ले लेना, पर पापा के लिए तो बना दो, मेरी ऊंगली में दर्द है।'
'आज से पहले तो आपने मुझ से कुछ करवाया नहीं ?'
'हां तनु, पर वह मेरी गलती थी, जिसे मैं और आगे नहीं ले जाना चाहती। धूप-छांव का अहसास तो तभी होगा, जब सफ़र पर निकलोगी।'
कहते हुई शकुन घर के दूसरे कामों में व्यस्त हो गई।

कुछ हटकर

बी.टेक एरोनॉटिकल के बाद एविएशन, रक्षा क्षेत्र में अवसर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (बी.टेक एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग) चार वर्षीय तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, स्पेसक्राफ्ट और एयरोस्पेस प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और रखरखाव की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः एरोडायनामिक्स, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर, प्रोपल्शन सिस्टम, फ्लाइट मैकेनिक्स, एवियोनिक्स, गैस टर्बाइन इंजन, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, कंट्रोल सिस्टम्स, थर्मोडायनामिक्स और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

उद्योगों में महत्व

इन विषयों का उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। एरोडायनामिक्स विमान की गति, स्थिरता और ईंधन दक्षता को निर्धारित करता है, जबकि प्रोपल्शन सिस्टम विमान को शक्ति प्रदान करने वाली तकनीकों को समझाता है।

विशेषज्ञताएं

- एवियोनिक्स सिस्टम
- प्रोपल्शन एवं इंजन टेक्नोलॉजी
- ड्रोन एवं यूएवी टेक्नोलॉजी
- स्पेस एवं रॉकेट प्रौद्योगिकी
- फ्लाइट टेस्टिंग एवं मेंटेनेंस
- कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स (सीएफडी)
- रक्षा एवं मिसाइल तकनीक
- एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग
- एयर ट्रांसपोर्ट एवं एविएशन मैनेजमेंट।

इनका प्रत्यक्ष उपयोग विमान निर्माण, रक्षा अनुसंधान, स्पेस मिशन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एयरलाइन संचालन आदि में होता है।

आवश्यक कौशल

तकनीकी ड्रॉइंग एवं डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स एवं सिमुलेशन टूल्स का ज्ञान, एयरक्राफ्ट सिस्टम एवं एवियोनिक्स की कार्यप्रणाली की समझ, समस्या समाधान एवं विश्लेषणात्मक सोच, अनुसंधान एवं तकनीकी नवाचार क्षमता, परियोजना प्रबंधन आदि।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- रक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
- डीआरडीओ वैज्ञानिक/इंजीनियर पद
- इसरो वैज्ञानिक एवं तकनीकी पद

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशरः लगभग □5.0–□9.0 लाख वार्षिक (विभाग अनुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठः लगभग □12–□25 लाख वार्षिक; रक्षा एवं अनुसंधान संगठनों में अतिरिक्त भत्ते एवं सुविधाएँ उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

- एयरक्राफ्ट डिजाइन एवं निर्माण
- डिजाइन इंजीनियर, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर इंजीनियर
- प्रोडक्शन इंजीनियर
- क्वालिटी कंट्रोल एवं टेस्टिंग इंजीनियर,

आय सीमा : फ्रेशरः लगभग □4.0–□8.0 लाख वार्षिक
अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग □10–□28 लाख वार्षिक; अंतरराष्ट्रीय एविएशन कंपनियों/रक्षा परियोजनाओं में अधिक अवसर सम्भव।

सुझावः किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

मूर्ति स्थापना दिवस 24 जून को

ओढां। श्री खाटू श्याम मंदिर में 24 जून को 8वां मूर्ति स्थापना दिवस श्रद्धापूर्वक व धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर कमेटी के प्रवक्ता वैध कृष्ण गिरी ने बताया कि ओढ़ा की ग्रीन मार्केट में स्थित मंदिर में 24 जून 2018 को बाबा खाटू श्याम जी की मूर्ति स्थापित की गई थी। आगामी 24 जून को सुबह मंत्रोच्चारण के साथ कार्यक्रम शुरू होगा। इसके बाद हवन यज्ञ करवाया जाएगा और अटूट भंडारा शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि रात को बाबा खाटू श्याम जी का विशाल जागरण करवाया जाएगा, जिसमें स्वामी भजन मंडली केहरवाला द्वारा बागड़ी, हिन्दी व पंजाबी भाषा में बाबा जी का गुणगान किया जाएगा।

ऐलनाबाद में एमिटी अचीवर्स अवार्ड 16 को

ऐलनाबाद। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान द्वारा आगामी 16 जून को अग्रवाल धर्मशाला में एमिटी ओपन हाउस एवं एमिटी अचीवर्स अवार्ड 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। एमिटी मैनेजमेंट के सदस्य सक्षम शर्मा ने बताया कि इस विशेष कार्यक्रम में कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

दुकान से दिन दिहाड़े एक लाख की नकदी चोरी

कालांवाली। शहर में रिलायंस पट्रोल पंप के पास स्थित एक दुकान से चोर दिनदहाड़े करीब एक लाख की नकदी चोरी करके ले गए। घटना की सूचना मिलने पर कालांवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी जुटाई। पुलिस को दी शिकायत में दुकान संचालक संजय कुमार ने बताया कि वह निजी टेलीकॉम कंपनी का डीलर है और कूलर भी बेचने का काम करता है, उसने बताया कि दोपहर 12 बजे टेलीकॉम कंपनी की मार्केटिंग करने के लिए दुकान का शीशे वाला गेट बंद करके रोड़ी गया था कि कुछ समय बाद उसके पड़ोसी दुकानदार का फोन आया कि उसकी दुकान का गेट खुला पड़ा है, वह दोपहर को 3 बजे वापस आया तो देखा कि गल्ले में पड़ी करीब एक लाख रुपए की नकदी गायब थी।

विधि विभाग में प्रवेश के लिए परीक्षा 28 को

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के विधि विभागाध्यक्ष डॉ. रोहतास ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीए एलएलबी में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा 28 जून आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा का परिणाम 29 जून 2026 को घोषित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा 100 अंकों की होगी, जिसमें जनरल इंग्लिश से 15 अंक, लीगल एप्टीट्यूड से 30 अंक, रीजनिंग से 20 अंक, सामान्य ज्ञान से 20 अंक तथा समसामयिक घटनाओं से 15 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। डॉ. रोहतास ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत, ओबीसी वर्ग के लिए 42 प्रतिशत तथा एससी/डीएससी/एसटी वर्ग के लिए 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।

तामसपुरा में लगाया गुरमत एवं दस्तार सिखलाई कैंप

रतिया। ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों को सिख इतिहास एवं दस्तार से जोड़ने के गुरूद्वारा गुरू नानक दरबार में 7 दिवसीय गुरमत एवं दस्तार सिखलाई कैंप का तामसपुरा में आयोजन किया गया। कैम्प का रविवार को समापन हुआ। समापन समारोह में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य इकबाल सिंह, गुरमेल सिंह, मैनेजर राजिंद्र सिंह भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में समाजिक कार्यकर्ता हैप्पी सिंह सेठी ने बच्चों से 7 दिनों में कैंप में सीखी गई गतिविधियों के बारे में जानकारी ली और जिसके पश्चात बच्चों ने सिख इतिहास के बारे में शुरूआती जानकारी दी और कार्यक्रम में शामिल हुई संगत ने बच्चों को सराहा गया। इस कैंप में दस्तार सिखलाई प्रचारक कुलदीप सिंह एवं गुरमत सिखलाई में हरप्रीत कौर, अरशदीप कौर सहित द्वारा सेवाएं निभाई गई।

खुशी एक उम्मीद संस्था ने लगाया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

विश्व रक्तदाता दिवस पर भट्टू में उमड़ा जनसैलाब

रक्तदान-महादान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भट्टूकलां

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भट्टू में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। खुशी एक उम्मीद संस्था द्वारा आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य रक्तदान-महादान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना और आपातकाल में मरीजों की जान बचाना रहा। शिविर में युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। शिविर की विशेषता यह रही कि इसमें फतेहाबाद सरकारी अस्पताल के ब्लड बैंक की विशेषज्ञ टीम विशेष रूप से रक्त एकत्रित करने पहुंची। डॉक्टरों की टीम ने रक्तदाताओं की प्रारंभिक जांच करने के बाद ही पूरी तरह सुरक्षित तरीके से रक्त लिया।

भट्टूकलां। रक्तदाता को प्रोत्साहित करते संस्था सदस्य।

इस अवसर पर संस्था के प्रमुख सेवादार गोपाल बंसल ने कहा कि रक्तदान केवल एक कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है। हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी मरते हुए इंसान को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि अक्सर अस्पतालों में रक्त की कमी के कारण लोग अपनों को खो देते हैं, ऐसे में हमारी एक छोटी सी पहल किसी परिवार की खुशियां उजाडऩे से बचा सकती है। रक्तदान को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना बेहद जरूरी है, क्योंकि यह पूरी तरह सुरक्षित है और इससे शरीर में कोई कमजोरी नहीं आती।

इस पुनीत कार्य में भागीदारी करने और शिविर को सफल बनाने में क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक और युवा मौजूद रहे।शिविर के अंत में 'खुशी एक उम्मीद' संस्था के प्रतिनिधियों ने सभी रक्तदाताओं और फतेहाबाद नागरिक अस्पताल की ब्लड बैंक टीम का आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में मुख्य रूप से गोपाल बंसल, संदीप सूडा, अतुल आशु गोयल, सुशील मताना, सूरज जोगपाल, सुधीर बेनीवाल, छोटू साईं, ललित भट्टू, दिनेश सांगवान और भट्टू गौशाला के सेवक मांगे राम मेहरड़ा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके साथ ही परमानंद गोरछिया, अभय सिंह जांडवाला, शिवा ठाकुर, अभिलाष, कुलदीप हंस, राकेश सोलंकी, संकेत, नागेंद्र सरोहा, गौरव और प्रदीप पंवार सहित अनेक युवाओं ने शिविर में पहुंचकर अपना योगदान दिया।

सिरसा। शिविर में रक्तदान करते रक्तदानी। फोटो : हरिभूमि।

स्व. सहीराम बिश्नोई की स्मृति में लगाया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶। डबवाली

जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा रविवार को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर पूर्व विधायक एवं हिंदी आंदोलन सत्याग्रही स्वर्गीय सही राम बिश्नोई की स्मृति में गांव गंगा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा, गांव गंगा के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में मार्केट कमेटी डबवाली के चेयरमैन सतीश जग्गा ने मुख्य अतिथि तथा हरियाणा स्टाफ चयन आयोग के सदस्य सुभाष रोलण ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के उप-अधीक्षक पवन राणा ने बताया कि विश्व रक्तदाता दिवस-2026 के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच सामाजिक संस्थाओं तथा सात स्टार रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सतीश जग्गा ने रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व रक्तदाता दिवस केवल रक्तदान करने का ही नहीं, बल्कि उन रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करने का भी दिन है, जो स्वेच्छा से रक्तदान करते है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा, गांव गंगा के प्रधान चंद्रमोहन, जेपी गोदारा, गौशाला गंगा के प्रधान गुरजंट सिंह, देशकमल बिश्नोई सिरसा, रमन लक्खुआना, देवेंद्र टक्कर, रेडक्रॉस सोसायटी सिरसा के पूर्व सचिव लाल बहादुर बैनीवाल सहित रेडक्रॉस सोसायटी का स्टाफ और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बाबा रामदेव मंदिर में अखंड ज्योति के 10 वर्ष पूर्ण, हवन-पूजन के साथ बांटा प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भट्टूकलां

क्षेत्र के गांव रामसरा स्थित प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का एक अनूठा संगम देखने को मिला। मंदिर में स्थापित अखंड ज्योति के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हर वर्ष की तरह इस बार भी ग्रामीण व मंदिर कमेटी की ओर से एक भव्य हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में गांव और आसपास के क्षेत्र से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शीश नवाकर बाबा रामदेव जी महाराज का आशीर्वाद लिया।अखंड ज्योति के दशक पूरे होने के पावन अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया था। मंदिर के मुख्य पुजारी रोहताश शर्मा ने मंत्रोच्चारण के साथ मुख्य यजमानों से विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना और हवन संपन्न करवाया। इसके बाद बाबा रामदेव जी महाराज को छप्पन भोग व विशेष प्रसाद का भोग लगाया गया, जिसे बाद में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। पूरा मंदिर परिसर बाबा के जयकारों और भजनों से गुंजायमान रहा। पूजा संपन्न करवाते हुए मुख्य पुजारी रोहताश शर्मा ने बाबा रामदेव जी से सभी श्रद्धालुओं के उत्तम स्वास्थ्य, मनोकामनाओं की पूर्ति तथा पूरे गांव में सुख-समृद्धि व आपसी भाईचारे की खुशहाली के लिए विशेष प्रार्थना की। इस धार्मिक आयोजन में सादलपुर से विशेष रूप से पहुंचे भगत दलील ने भी शिरकत की और बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई।

भट्टूकलां। गांव रामसरा मंदिर में हवन में भाग लेते श्रद्धालु।

हसंगा में कबड्डी मिलन समारोह में महिला खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

खेल प्रतिभाओं और भावना का शानदार संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भूना

गांव हसंगा में रविवार को आयोजित कबड्डी मिलन समारोह खेल प्रतिभाओं और खेल भावना का शानदार संगम बना। प्रतियोगिता में जूनियर और सीनियर वर्ग की आठ टीमों ने भाग लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। हसंगा, दहमान, जेवरा, खैरी, गोरखपुर, चंद्रावल, चमारखेड़ा और भूथन कलां की टीमों के बीच हुए मुकाबलों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खेल मैदान में दिनभर खिलाड़ियों के बीच कड़े मुकाबले देखने को मिले। महिला खिलाड़ियों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम में पहुंचे हसंगा के सरपंच वकील साहरण, समाजसेवी रामनिवास पूनिया, रविन पूनिया, रामस्वरूप कुकणा और मुकेश सिहाग ने मैदान में उतरी सभी महिला खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अतिथियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां खेलों में निरंतर आगे बढ़ रही हैं, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। सरपंच वकील साहरण ने युवा खिलाड़ियों को अनुशासन, मेहनत और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। आयोजन के सफल संचालन पर ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने आयोजकों की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाली प्रेरणादायक पहल बताया। समारोह के दौरान खेलों के विकास में योगदान देने वाले कोचों का भी सम्मान किया गया। पाल इम्पोर्ट रतिया की ओर से विभिन्न गांवों से पहुंचे प्रशिक्षकों को विशेष सम्मान देकर उनके योगदान की सराहना की गई।

भूना। हसंगा गांव में महिला कबड्डी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते अतिथिगण।

ये रहे मौजूद

सम्मानित होने वालों में कोच गंगाधर सिहाग हसंगा, प्रहलाद जाखड़ चंद्रावल, प्रदीप कुमार भूथन कलां, कर्मवीर सिंह जेवरा, बलवान सिंह दहमान, जयबीर सिंह गोरखपुर, सुखबीर सिंह खैरी और सुरेश कुमार चमारखेड़ा शामिल रहे। इनके अतिरिक्त विकास कुमार, मुकेश कुमार सहित खेल जगत से जुड़े कई अनुभवी खिलाड़ी और खेल प्रेमी भी मौजूद रहे।

पुलिस टीम पर हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ करने गई एंटी नारकोटिक सेल की टीम पर हमला करने और सरकारी काम में बाधा डालने के मामले में रतिया पुलिस ने दूसरे मुख्य आरोपी संदीप उर्फ शिप्पी निवासी अहरवां को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक आरोपी लाभ सिंह पहले ही जेल की हवा खा रहा है। महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि 29 मई को शिमलापुरी कॉलोनी में जब सिपाही गुरदीप और रोहताश एक संदिग्ध की जांच कर रहे थे, तब कुछ असामाजिक तत्वों ने एकजुट होकर पुलिस टीम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया था और उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने इस दुस्साहस पर सख्त रुख अपनाते हुए विभिन्न संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस प्रशासन ने कड़ा संदेश दिया है कि वर्दी का अपमान करने वाले और अपराधियों को शह देने वाले तत्वों के खिलाफ आगे भी इसी तरह का कठोरतम एक्शन जारी रहेगा।

- मामले में एक आरोपी लाभ सिंह पहले ही जेल भेजा
- अपराधियों को शह देने वाले तत्वों के खिलाफ जारी रहेगी कार्रवाई

जांडली खुर्द विद्यालय के वरिष्ठ माध्यमिक बनने पर ग्रामीणों में खुशी की लहर

सांसद का जताया आभार

शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव ला रही है प्रदेश सरकार : सुभाष बराला

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भूना

सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार, आधुनिक आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को भी बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराना है। सांसद सुभाष बराला रविवार को अपने आवास पर जांडली खुर्द से आए ग्रामीणों से संवाद कर रहे थे। ग्रामीण हाल ही में राजकीय उच्च विद्यालय जांडली खुर्द को अपग्रेड कर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बनाए जाने पर प्रदेश सरकार और सांसद का आभार व्यक्त करने पहुंचे थे। अब जांडली खुर्द के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कला, कॉमर्स और विज्ञान विषय की 12वीं तक की पढ़ाई होगी, जिससे विद्यार्थियों को गांव से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता तथा शिक्षण व्यवस्था में सुधार के कारण विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जांडली खुर्द विद्यालय के वरिष्ठ माध्यमिक स्तर बनने से क्षेत्र के विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और उन्हें अपने गांव में ही बेहतर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रदेश सरकार ने युवाओं को उनकी योग्यता और प्रतिभा के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में पारदर्शी व्यवस्था स्थापित की है।

फतेहाबाद। सांसद बराला का आभार जताते जांडली खुर्द के ग्रामीण।

ये रहे मौजूद

इस अवसर सरपंच बलवंत सिंह पूनियां, रविंद्र मांडा, राजेश कुमार पूनियां, जिला परिषद सदस्य गगन गोदारा, कृष्ण नैन, रमेश पूनिया, रामनिवास गिल, कृष्ण गिल, दयानंद पुनिया, पूर्व सरपंच बलबीर सिंह, पूर्व सरपंच विक्की, सत्यवान पुनियां, रमेश शर्मा, विजय शर्मा, मनजीत पुनियां, प्रेम पुनियां, रामेश्वर मांडा, रमेश मांडा, महेन्द्र गिल, रामकुमार भाखर, मोदी गोदारा, सुरेंद्र पूनियां, हनुमान पूनियां सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पिंजरा मत्स्य पालन के लिए मिलेगी सब्सिडी

सिरसा। मत्स्य पालन विभाग हरियाणा द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत जलाशयों में पिंजरा मत्स्य पालन (केज कल्चर) को बढ़ावा देने के लिए किसानों और मत्स्य पालकों को अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य मत्स्य उत्पादन बढ़ाना, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजित करना और किसानों की आय में वृद्धि करना है। योजना के अंतर्गत जलाशयों में पिंजरे स्थापित कर मछली पालन करने वाले लाभार्थियों को इकाई लागत पर अनुदान दिया जाएगा। सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को परियोजना लागत का 40 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा, जबकि अनुसूचित जाति एवं महिला लाभार्थियों के लिए यह अनुदान 60 प्रतिशत तक निर्धारित किया गया है। प्रति यूनिट पिंजरा स्थापना की इकाई लागत 3 लाख रुपये तय की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक के पास परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। इसके अलावा राज्य सरकार और संबंधित सक्षम प्राधिकरण से आवश्यक अनुमति प्राप्त करनी होगी। जलाशयों में पिंजरे स्थापित करने के लिए निर्धारित क्षेत्र में लगभग 8 मीटर गहराई और पूरे वर्ष पर्याप्त पानी उपलब्ध होना चाहिए। विदेशी मछली प्रजातियों के पालन के लिए भी सरकार से पूर्व अनुमति लेना आवश्यक रहेगा। व्यक्तिगत किसान अधिकतम 5 पिंजरों तक सहायता प्राप्त कर सकते हैं, जबकि न्यूनतम 10 सदस्यों वाली सहकारी समितियां, स्वयं सहायता समूह और संयुक्त दायित्व समूह अधिकतम 20 पिंजरों तक वित्तीय सहायता के पात्र होंगे।

भिरड़ाना में श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रीकृष्ण लीला व वामन अवतार का किया वर्णन

भगवान को आडंबर नहीं, बल्कि भक्त का प्रेम प्रिय : बजरंगदास

श्रद्धालुओं को प्रेम, भक्ति व विनम्रता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶। फतेहाबाद

गांव भिरड़ाना में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के छठे दिन राजस्थान के नागौर स्थित श्री बालाजी सेवा धाम के पीठाधीश्वर अनंत विभूषित महामंडलेश्वर महंत बजरंगदास महाराज ने श्रीकृष्ण लीला और वामन अवतार का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेम, भक्ति, विनम्रता, पारिवारिक सद्भाव और वचनपालन का संदेश देते हुए कहा कि भगवान को बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि भक्त का निष्कपट प्रेम प्रिय होता है। महंत बजरंगदास महाराज ने विदुरानी प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि जब भगवान श्रीकृष्ण विदुर के घर पहुंचे तो विदुरानी प्रेम में इतनी भाव-विभोर हो गईं कि अनजाने में केले के छिलके ही भगवान को परोस दिए। भगवान ने भी भक्त के प्रेम को स्वीकार करते हुए उन्हें प्रसन्नतापूर्वक ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि भगवान भाव के भूखे हैं, भोग के नहीं।कथा के दौरान उन्होंने उद्धव और विदुर मिलन का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि उद्धव जी ज्ञान और वैराग्य के प्रतीक थे, जबकि विदुर जी धर्म, नीति और सेवा भाव के आदर्श थे। दोनों के जीवन से विनम्रता और निस्वार्थ भक्ति की प्रेरणा मिलती है।

महंत बजरंगदास महाराज ने वामन अवतार की कथा सुनाते हुए कहा कि राजा बलि ने अपने वचन की रक्षा के लिए सब कुछ त्याग दिया। सत्य, त्याग और वचनपालन करने वाले व्यक्तियों पर भगवान की विशेष कृपा बनी रहती है और ऐसे लोग समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बनते हैं।

फतेहाबाद। भिरड़ाना में कथा करते महामंडलेश्वर बजरंगदास व उपस्थित श्रद्धालु।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व सरपंच बलवंत राय डेलू, बिश्नोई सभा प्रधान प्रेमकुमार सिगड़, मदनलाल राहड़, सतीश बिश्नोई, राजेंद्र कालीराणा, सतबीर सहारण, लीलूराम डेलू, तेन्द्र डेलू, कालू प्रजापत, जसवंत चंदेल, गुलाब राईका सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

नशा कोई शौक या रोमांच नहीं, बल्कि धीमा जहर : एसपी

फतेहाबाद। नशे का इंजेक्शन मौत की ओर बढ़ाया गया पहला कदम है। नशा कोई शौक या रोमांच नहीं, बल्कि एक ऐसा जहर है जो धीरे-धीरे व्यक्ति के शरीर, मानसिक स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक ताने-बाने को पूरी तरह बर्बाद कर देता है। यह बात फतेहाबाद की पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करते हुए कही। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाएं और नशे को पूरी तरह ना कहकर जिंदगी को हां कहें। एसपी निकिता खट्टर ने युवाओं को देश की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए आगाह किया कि इंजेक्शन के जरिए लिया जाने वाला नशा न केवल जानलेवा है, बल्कि यह एचआईवी, हेपेटाइटिस, रक्त संक्रमण और हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों का मुख्य कारक बनता है। उन्होंने माता-पिता, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों से भी अपील की कि वे बच्चों के व्यवहार पर नजर रखें। एसपी ने साफ किया कि प्रदेश सरकार के ड्रग फ्री हरियाणा अभियान के तहत जिले में नशा तस्करों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है। नशे के काले कारोबार में संलिप्त अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

खबर संक्षेप

अवकाश में बच्चे सीख रहे गत्तका कला

रतिया। ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों को गत्तका कला से जोडने के लिए गुरद्वारा गुमटसर साहिब में अकाली बाबा फूला सिंह गत्तका अकैडमी रतिया द्वारा 30 जून तक निःशुल्क गत्तका सिखलाई कैंप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें बच्चे व युवा बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे हैं। यह जानकारी देते हुए सेवादार जगपाल सिंह व कमलजीत सिंह ने बताया कि इस कैंप में गत्तका कोच जशनदीप सिंह, सागर सिंह द्वारा सेवाएं दी जा रही है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आग्रह किया कि वह बच्चों को गत्तका कला से जरूर जोड़े। गतका कोच ने कहा कि बच्चों को गतका प्रशिक्षण अवश्य लेना चाहिए।

इग्नू में इंडक्शन मीट का आयोजन

हरिभूमि न्यूज. सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा में चल रहे इग्नू अध्ययन केंद में रविवार को विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया। डॉ. अमित कुमार जैन, क्षेत्रीय निदेशक ने विद्यार्थियों को इग्नू द्वारा चलाए गए सभी कोर्सेज के बारे में विस्तार में जानकारी प्रदान की व साथ साथ विश्व रक्त दिवस के उपलक्ष्य में सभी विद्यार्थियों को शपथ ग्रहण करवाई कि सभी बढ़-चढक़र रक्तदान करेंगें। इसके बाद डॉ. नवीन कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं को इग्नू अध्ययन केंद्र 1014 में चल रहे सभी कोर्सेज, असाइनमेंट, प्रोजेक्ट, परीक्षाओं के बारे में जानकारी प्रदान की।

मनुष्य गलत विचारों का कैदी होकर गलत कर्म कर रहा है: आचार्य हरिशंकर

सिरसा। आर्य समाज मंदिर में मासिक सत्संग व यज्ञ का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य प्रवक्ता आचार्य हरिशंकर अग्निहोत्री मौजूद थे। आचार्य ने कहा कि मनुष्य अच्छे या बुरे विचार के कारण, अच्छा या बुरा कर्म करता है। आजकल व्यक्ति कैसे गलत विचार का कैदी होकर गलत कर्म कर रहा है। अब विचारों को कैसे शुद्ध-पवित्र किया जाए, जिससे कि समाज में हो रहे गलत कर्मों में सुधार हो। उन्होंने कहा कि यदि आप ऐसा चाहते हैं तो फिर से विचारशील बनकर समाज को दुरुस्त करना होगा।

श्री स्वर्गाश्रम सोसायटी को भेंट किया फ्रिज

रतिया। युवा शक्ति क्लब ने समाज सेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए रविवार को सेवा दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर क्लब की ओर से श्री स्वर्गाश्रम सोसायटी, रामबाग रतिया को श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों की सुविधा के लिए एक फ्रिज भेंट किया गया। कार्यक्रम के दौरान मां की रसोई की ओर से भीषण गर्मी को देखते हुए जल सेवा का आयोजन किया गया। क्लब सदस्यों ने कहा कि समाज सेवा ही जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य है और ऐसे कार्यों से दूसरों की सहायता करने का अवसर मिलता है।

विडंबना : 32 पार्कों के रखरखाव का जिम्मा केवल दो ट्रस्टों के पास

हमारी सेहत सुधारने वाले पार्क खुद बीमार, हर तरफ गंदगी की भरमार

सैर और व्यायाम करने से कतरा रहे शहरवासी, सुविधाओं का भी अभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर के पार्कों और ग्रीन बेल्ट की देखभाल में अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए जागो वेलफेयर सोसायटी ने उपायुक्त को शिकायत सौंपकर मामले की जांच कराने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है। संस्था का आरोप है कि पार्कों की सफाई के नाम पर हर महीने लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद अधिकांश पार्कों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। शिकायत में कहा गया है कि शहर के 32 से अधिक छोटे-बड़े पार्क विभिन्न संस्थाओं को गोद दिए हैं। आरोप है कि नप अधिकारियों ने पारदर्शी व्यवस्था अपनाने के बजाय अधिकांश पार्क एक प्रभावशाली ट्रस्ट को सौंप दिए, जबकि इन्हें 15 से 20 अलग-अलग संस्थाओं में बांटा जा सकता था। संस्था का दावा है कि कई पार्कों में नियमित सफाई कर्मचारी भी नहीं रखे गए हैं, जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

सोशल मीडिया पर प्रतिदिन डाली जाए सफाई की फोटो

संस्था ने मांग की है कि पार्कों का संचालन करने वाली संस्थाओं के सोशल मीडिया अकाउंट अनिवार्य किए जाएं और प्रतिदिन सफाई कार्य की तस्वीरें सार्वजनिक मंचों पर साझा की जाएं, ताकि आम लोग भी निगरानी कर सकें। शिकायत में शहर की ग्रीन बेल्ट का मुद्दा भी उठाया गया है। संस्था का कहना है कि नगर परिषद इन क्षेत्रों के रखरखाव के लिए भी राशि जारी कर रही है, जबकि कई स्थानों पर ग्रीन बेल्ट पर कब्जे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि संबंधित संस्थाएं वहां सफाई कार्य किस प्रकार कर रही हैं। संस्था ने शिवालय मार्केट क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि सडक किनारे लगने वाली रेहड़ियों को ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में व्यवस्थित किया जाए तो गंदगी कम होने के साथ-साथ हाईवे पर लगने वाले जाम से भी राहत मिल सकती है।

नगर परिषद खुद भी संभाल सकती है पार्क

सोसायटी ने बताया कि नगर परिषद में छह माली कार्यरत हैं। ऐसे में परिषद स्वयं भी कम से कम दो से तीन पार्कों की देखभाल कर सकती है। जागो वेलफेयर सोसायटी के सदस्य देवेंद्र दहिया, रिछपाल तरड़, प्रमोद बजाज, सेवा सिंह मुवाल, प्रदीप जांगड़ा, विनोद कुमार और ब्राइट गोदारा ने उपायुक्त से पार्कों और ग्रीन बेल्ट का स्वयं निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करने की मांग की है। संस्था ने शिकायत के साथ संबंधित स्थानों के फोटो भी भेजे हैं।

पार्कों के गेट पर लगे जानकारी वाले बोर्ड

जागो वेलफेयर सोसायटी ने सुझाव दिया है कि प्रत्येक पार्क के मुख्य द्वार पर लोहे का बोर्ड लगाया जाए, जिस पर पार्क की देखभाल करने वाली संस्था के पदाधिकारियों के नाम, मोबाइल नंबर और नियुक्त सफाई कर्मचारी की जानकारी दर्ज हो। साथ ही पार्क का क्षेत्रफल और उसकी देखभाल के लिए नगर परिषद द्वारा प्रतिमाह जारी की जाने वाली राशि भी सार्वजनिक की जाए।

सिरसा। बैठक में भाग लेते बीएलओ। फोटो : हरिभूमि

एसआईआर को लेकर जोर-जोर से मुनादी करवाए आयोग: सिसोदिया

■ बीएलओ को आ रही परेशानियों के समाधान को लेकर की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के चलते बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को आ रही परेशानियों के समाधान को लेकर रविवार को स्थानीय भगत सिंह स्टेडियम में हरियाणा बीएलओ एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए हरियाणा बीएलओ एसोसिएशन के प्रधान गोविल सिसोदिया ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण का कार्य तेज गति से चल रहा है जिसके तहत 15 जून से 14 जुलाई तक हरियाणा के प्रत्येक पंजीकृत मतदाता को बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र उपलब्ध करवाए जाएंगे। यह गणना प्रपत्र प्रत्येक पंजीकृत मतदाता को भरना आवश्यक है ताकि उनका नाम मतदाता सूची में बना रहे। सिसोदिया ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा एस आई आर के बारे में अभी तक भी जोर-शोर से प्रचार नहीं किया गया है। जिससे कि आमजन को इस बारे में अभी तक स्पष्ट जानकारी नहीं है। संघ मांग करता है कि चुनाव आयोग एस आई आर जागरूकता बारे जगह-जगह होर्डिंग लगवाएं, शहर की हर गली में मुनियादी करवाई जाए। ताकि हर मतदाता इसके प्रति जागरूक हो सके।

ये बीएलओ रहे उपस्थित

इस अवसर पर बी एल ओ महेंद्र सिंह, राजाराम जालंधरा, राजेंद्र कुमार, गोवर्धन दास, मोतीलाल, गुरुदेव लाल, अमित कुमार, मुकेश कुमार, नरेश कुमार, सपना रानी, कृष्णा देवी, सुधा देवी, मंजू रानी व रानी देवी सहित अनेक बीएलओ उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान में समारोह

80 वर्ष से अधिक आयु के सदस्यों का किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा राज्य विपणन मंडल जिला फतेहाबाद के सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं अधिकारियों के संगठन द्वारा एसोसिएशन के तीन वर्ष पूर्ण होने पर रविवार को किसान विश्राम गृह में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ सदस्यों के अलावा जिले से बाहर से पहुंचे सेवानिवृत्त कर्मचारियों और अधिकारियों को भी सम्मानित किया।

समारोह के मुख्य अतिथि मार्केट कमेटी फतेहाबाद के चेयरमैन जगदीश जाखड़ रहे, जबकि अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रधान एवं सेवानिवृत्त सचिव सुग्रीव सिंह कड़वासरा ने की। वहीं, सब्जी मंडी के

प्रधान सीताराम सैनी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन की पिछली बैठक की कार्यवाही की समीक्षा की गई और सदस्यों के समक्ष आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया। साथ ही संगठन की गतिविधियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी और अधिकारी अपने लंबे अनुभव और सेवाभाव के कारण समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके योगदान को सम्मान देना संगठन की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ सदस्यों को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने एसोसिएशन के तीन वर्षों के कार्यकाल पर संतोष व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आपसी भाईचारे और एकजुटता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

भंगड़ा वर्कशॉप में उमड़ा युवाओं का हुजूम

श्रीमत सिटी सेंटर ने रेलवे पार्क में किया निःशुल्क आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

श्रीमत सिटी सेंटर की ओर से रविवार को रेलवे पार्क में भंगड़ा प्वाइंट सिरसा के सहयोग से आयोजित भंगड़ा वर्कशॉप में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। न केवल युवा बल्कि बच्चे, युवतियां, महिलाएं व वृद्धजन भी इसका आनंद लेने के लिए प्रात से पहले ही रेलवे पार्क में पहुंच गए।

भंगड़ा प्वाइंट के मास्टर ट्रेनर राहुल ने बेहद सरल तरीके से भंगड़ा के स्टेप सिखाए। उन्होंने भंगड़ा, धमला, झूमर, लुडिया व अन्य के स्टेप की जानकारी दी। भंगड़े के बारे में बिल्कुल जानकारी न रखने वालों ने भी इस वर्कशाप का आनंद उठाया। शुरूआत में एक-एक स्टेप

सिरसा। सिटी सेंटर में आयोजित वर्कशॉप में लोगों को भंगड़ा सिखाते हुए। फोटो : हरिभूमि

की जानकारी दी गई और उसकी रिहर्सल करवाई गई। इसके बाद लोगों का उत्साह अपने चरम पर पहुंच गया। इसके बाद जो ढोल बजा और जिस प्रकार लोगों ने ढोल की थाप पर थिरक कर आनंद उठाया, उसने पूरे माहौल को आनंद से भर दिया। सुबह का सुहाना मौसम, हरी-भरी घास, ऊर्जा से लबरेज लोग और श्रीमत सिटी सेंटर की लाजवाब मेजबानी ने सभी को आनंद से विभोर कर दिया। उल्लेखनीय है कि श्रीमत सिटी सेंटर द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, ताकि अधिक से अधिक युवा खेलों व सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ें। युवा वर्ग नशे से दूर रहें।

अच्छे संस्कारों से ही सुदृढ़ होती है समाज, राष्ट्र की नींव: साध्वी संतोष

सिरसा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की एक दिवसीय संस्कारशाला में हुडा क्षेत्र के अनेक बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। डिजिटल युग में बच्चों को जीवन में सही दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से इस विशेष प्रेरणादायक सत्र का संचालन किया गया, जिसका मुख्य विषय डिस्ट्रैक्शन से डायरेक्शन रखा गया था। इस संस्कारशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सोशल मीडिया की लत, मोबाइल के अत्यधिक उपयोग एवं अन्य आधुनिक भटकावों से दूर रखना था। कार्यक्रम में बच्चों को यह सिखाया गया कि वे किस प्रकार अपने समय का सही सदुपयोग कर अपने व्यक्तित्व, चरित्र और कौशल को निखार सकते हैं।

मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया हो पूरी तरह पारदर्शी: कुमारी सैलजा

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि किसी भी पात्र नागरिक के मतदान अधिकार पर आंच न आए। कुमारी सैलजा ने एक बयान में कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में समय-समय पर मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों और पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने संबंधी शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में आवश्यक है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरती जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी वास्तविक एवं पात्र मतदाता का नाम गलती से मतदाता सूची से न हटे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदान का अधिकार नागरिक की सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक शक्तियों में से एक है। यदि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हट जाता है तो उसे दोबारा जुड़वाने की प्रक्रिया कई बार जटिल और समय लेने वाली साबित होती है। इसलिए चुनाव आयोग और संबंधित अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे प्रत्येक मामले की निष्पक्षता से जांच करें।

भगवान विपदा में कभी नहीं छोड़ते भक्त का साथ : पंडित सुगन शर्मा

सिरसा। श्री बंशीवट कथा समिति द्वारा आयोजित नानीबाई का मायरा कथा के दूसरे दिन कथाव्यास पंडित सुगन शर्मा ने भगत नरसी के विवाह की कथा सुनाई। भगवान द्वारा नरसी जी को केदार राग देने की मधुर कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि नरसी जी के जीवन में जब-जब विपदा आयी केदार राग गाते ही उनकी सभी विपदाएं दूर हो गई। नगर के लोगों द्वारा इर्षावश नरसी को सेठों की हुंडी लिखवाने कि द्वुविधा में डालने और सेठों से लिया धन चोरों द्वारा चुरा लेने पर भगवान स्वयं हुंडी लेकर पहुंचते हैं। पंडित जी ने बताया कि भगवान कभी अपने भक्त का साथ नहीं छोड़ता, बस हमें ही दिल से पुकारना आना चाहिए।

प्रदेशाध्यक्ष डॉ. गुप्ता के आगमन पर अभिनंदन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा भाजपा की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता सोमवार को पहली बार फतेहाबाद जिले के दौरे पर आ रही हैं। प्रदेशाध्यक्ष की कमान संभालने के बाद जिले में उनके प्रथम आगमन को लेकर स्थानीय भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। उनके इस दौरे को ऐतिहासिक बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जिले की सीमा से लेकर जिला मुख्यालय तक कुल 7 प्रमुख स्थानों पर भव्य स्वागत की रूपरेखा तैयार की गई है। खास बात यह है कि इस अभिनंदन समारोह के

जरिए फतेहाबाद भाजपा की एकजुटता भी नजर आएगी, जहां जिले के सभी प्रमुख जनप्रतिनिधि, बड़े नेता और पदाधिकारी एक ही मंच पर एक साथ उपस्थित रहेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा के अनुसार, प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता सोमवार दोपहर बाद अपने काफिले के साथ फतेहाबाद जिले में प्रवेश करेंगी। जिला सीमा पर स्थित गांव सनियाना में कार्यकर्ता सबसे पहले प्रदेशाध्यक्ष की अगवानी करेंगे। इसके बाद यह काफिला गांव खासा पठाना, भूना शहर, गांव जांडली, झलनिया और जिला परिषद की चेयरपर्सन सुमन खिचड़ के पैतृक गांव बरसीन पहुंचेगा।

दूषित पेयजल आपूर्ति, सीएम को भेजी शिकायत

सिरसा। शहर के वार्ड नंबर 21 में दूषित पेयजल सप्लाई को लेकर वार्डवासियों ने मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी है। वार्ड के पूर्व पार्षद प्रतिनिधि अमित सोनी ने बताया कि पिछले लम्बे समय वार्ड की गली बेरी वाली, रानियां बाजार,गली सेठी धर्मशाला वाली,गली रामदेव मंदिर वाली और गली गुरुद्वारा वाली में पीने के पानी में सीवर युक्त पानी की सप्लाई हो रही हैं। सीवर युक्त पानी आने से संबंधित गली के लोगों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों ने बताया कि वार्ड के सेठी धर्मशाला के बाहर लगे टयूबवेल के फेल होने के कारण वार्ड की इन संबंधित गलियों में सीवर युक्त पानी आ रहा है जिससे वार्ड के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात आने के बाद से ही वार्ड में पीने के पानी में सीवरेज मिश्रित पानी आने से हालात और अधिक गंभीर हो गए है। शिकायत देने के बाद भी जनस्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी लोगों की समस्या सुनने को तैयार नहीं हैं। वॉर्ड में दूषित पानी के कारण छोटे बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बना हुआ है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

विमोचन ‘नए भारत’ में आए चमत्कारिक व सकारात्मक बदलावों तक की संवेदनाओं को पिरोया

डॉ. सुदामा शास्त्री द्वारा रचित पुस्तक ‘वेदना के स्वर’ का किया गया विमोचन

कुरीतियों के खिलाफ मिसाल बनेगी काव्य पुस्तक ‘वेदना के स्वर’ : प्रवीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नेशनल हाइवे बाइपास पर स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी अपना घर वृद्धाश्रम में डॉ. सुदामा शास्त्री वैदिक प्रवक्ता द्वारा रचित काव्य पुस्तक ‘वेदना के स्वर’ के विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा एडवोकेट ने पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह काव्य संग्रह समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में एक मार्गदर्शक और मिसाल बनकर उभरेगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि डॉ. सुदामा शास्त्री ने छुआछूत, दहेज प्रथा, जातिवाद, कन्या भ्रूण हत्या और नशाखोरी जैसी

फतेहाबाद। ‘वेदना के स्वर’ पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

गंभीर सामाजिक कुरीतियों पर अत्यंत प्रेरणादायक और तीखे प्रहार करती कविताएं लिखी हैं। ये रचनाएं आने वाले समय में समाज को जगाने का काम करेंगी। उन्होंने कहा कि ज्ञान मानव जीवन का सर्वोत्तम आभूषण है, जो व्यक्तित्व को निखारता है। मानव जीवन को सही दिशा देने के लिए सही पुस्तकों का लेखन अनिवार्य है, और ‘वेदना के स्वर’ की राष्ट्रवाद व देशभक्ति से ओत-प्रोत रचनाएं पाठकों को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करेंगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र चौधरी काका ने कहा कि यह पुस्तक हर वर्ग के व्यक्ति का मार्गदर्शन करेगी। जीवन में पढ़ने और लिखने के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान के बिना मनुष्य का जीवन पशु समान हो जाता है। लेखक सुदामा शास्त्री ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और पुरुषार्थ से इन कविताओं को ‘वेदना के स्वर’ के रूप में ढालकर दुनिया के सामने एक बेहतरीन मिसाल पेश की है। विशिष्ट अतिथि एवं नगर पार्षद किरण नारंग ने लेखक सुदामा शास्त्री को बधाई देते हुए कहा कि पुस्तक लिखना और उसे कविता के रूप में पिरोना किसी भी रचनाकार के लिए बहुत बड़ी साधना है। वास्तव में यह पुस्तक भविष्य में जनमानस के भीतर एक नई वैचारिक क्रांति लेकर आएगी।

स्वयं को मेहनत की भट्टी में तपाना पड़ता है : डॉ. सुदामा

भावुक क्षणों के बीच पुस्तक के लेखक डॉ. सुदामा शास्त्री ने सभी अतिथियों का आभार जताया। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि कोई भी पुस्तक रातों-रात नहीं लिखी जाती। इसके लिए लेखक को स्वयं को मेहनत की भट्टी में तपाना पड़ता है, तब जाकर हृदय से कविता के भाव प्रस्फुटित होते हैं। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में साल 2014 से पहले की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों से लेकर ‘नए भारत’ में आए चमत्कारिक व सकारात्मक बदलावों तक की संवेदनाओं को पिरोया गया है। शास्त्री जी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए श्रीकृष्ण प्रणामी वृद्धाश्रम प्रबंधन का विशेष धन्यवाद किया।

अतिथियों का शॉल व बुके देकर हुआ भव्य सम्मान

कार्यक्रम की शुरुआत में श्रीकृष्ण प्रणामी अपना घर वृद्धाश्रम प्रमुख विनोद तायल ने मुख्य अतिथि प्रवीण जोड़ा एडवोकेट का स्वागत किया। वहीं, समारोह के अंत में लेखक डॉ. सुदामा शास्त्री ने आए हुए सभी गणमान्य अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि व समाजसेवी मनोज नारंग, प्रमुख समाजसेवी अशोक मक्कड़, मुकेश गोयल सहित आश्रम के तमाम वरिष्ठ जन और गणमान्य नागरिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।